सत्यमेव जयते

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
(एफ.डी.डी.आई.अधिनियम २०१७ के अन्तर्गत 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान')

# राजभाषा हिन्दी कार्यशाला प्रतिवेदन

**प्रस्तावना-**

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के वार्षिक कार्यक्रमानुसार, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नोएडा के तत्वावधान में **फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट, (FDDI) "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार,** द्वारा **"बहुभाषी अनुवाद सारथी कंठस्थ 2.0"** विषय पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला दिनांक 29 दिसम्बर, 2025 को सफल आयोजन किया गया।

**<u>उदघोषक वक्तव्यः-</u>**

कार्यशाला में "बहुभाषी अनुवाद सारथी – कंठस्थ 2.0" विषय पर विशेष जानकारी प्रदान करने हेतु श्री ललित भूषण, सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), गाजियाबाद को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, जो राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रशिक्षण हेतु अधिकृत व्यक्ति है। कार्यशाला का आरम्भ करते हुए संस्थान के श्री चन्द्र प्रकाश, हिन्दी अधिकारी ने कंप्यूटर प्रयोगशाला में उपस्थित सभी अधिकारीगण/कर्मचारीगणों एवं मुख्य वक्ता का स्वागत किया।

**<u>वक्ता जी का स्वागतः-</u>**

मुख्य वक्ता श्री ललित भूषण जी का श्री मनोज अग्रवाल, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अध्यक्ष एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी द्वारा पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर श्री विकास नंदन रॉय, सहायक प्रबंधक, लेखा एवं वित्त विभाग भी उपस्थित रहे।

**वक्ता जी का स्वागत करते हुए**

उदघोषक के रूप में हिन्दी अधिकारी ने कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री ललित भूषण जी के संक्षिप्त परिचय से आरंभ किया और कहा कि शासकीय कार्य में अनुवाद एक समस्या है जो हिंदी के कार्य को बाधित करता है। आज कंठस्थ 2.0 अनुवाद सारथी सॉफ्टवेयर के माध्यम से आप सभी को वक्ता महोदय परिचित कराएगें और अनुवाद प्रक्रिया को सफल बनाएगें।

**<u>मुख्य वक्ता का संबोधनः-</u>**

तदोपरांत श्री ललित भूषण जी, ने संस्थान का आभार प्रकट किया इसके बाद भाषा की पृष्ठभूमि से आरम्भ करते हुए आपना उदबोधन शरू किया। उन्होने बताया कि कंठस्थ 2.0 की सफलता- यहां अब तक 32,500 से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता और 5.7 करोड से अधिक मानव-सत्यापित समांतर वाक्य संचित किए गए है- के आधार पर इसका नवीन संस्करण और भी अधिक सुदृढ़ एवं उन्नत रुप में विकसित किया गया है। भारती- बहुभाषी अनुवाद सारथी न केवल सहज और प्रभावी अनुवाद सुनिश्चित करता है, बल्कि पहले से किए गए अनुवादों को संरक्षित कर भविष्य के दस्तावेजों में उच्च स्तर की शुद्धता और एकरूपता भी बनाए रखता है।

वक्ता महोदय जी ने सभी प्रतिभागियों का उन्होने कंठस्थ 2.0 अनुवाद सारथी सॉफ्टवेयर पर कार्य करने के लिए पंजीकरण कराया और प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों का अनुवाद कर व्यावहारिक अभ्यास कराया गया, जिससे उन्हें इस अनुप्रयोग के प्रभावी उपयोग की समझ प्राप्त हुई। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

| | |
|---|---|
| | |
| श्री ललित भूषण जी, मुख्य वक्ता | प्रतिभागी |

इसके अलावा सॉफ्टवेयर के मुख्य बिंदुओं को भी समझाया और इसकी सार्थकता को भी बताया।

- ऐपलीकेशन पर लागइन करना।
- फाइल फोल्डर तैयार करना।
- फाइल को अनुवाद के लिए अपलोड करना।
- फिर अनुवादित फाइल की शुद्धता जांच करना।
- अनुवादित फाइल को डाउनलोड करना।
- टीएम बनाना।
- फाइलों का संचय करना इत्यादि।

अतं में श्री ललित भूषण जी, ने कार्मिको के प्रश्नों का भी जबाव दिया एवं समस्याओं का निस्तारण एवं हल भी बताया गया।

**स्मृति चिन्ह भेंटः-**

कार्यशाला के आखरी क्षण में संस्थान की ओर से कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री ललित भूषण जी, को स्मृति चिन्ह से समिति अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया।

वक्ता जी को सम्मानित करते हुए

**धन्यवाद ज्ञापनः-**

**अधिकारियों एवं कर्मचारियों का समूह छायाचित्र**

अंत में संस्थान के राजभाषा विभाग की ओर से कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारीगण एवं मुख्य वक्ता श्री ललित भूषण जी, को राजभाषा विभाग के श्री चन्द्र प्रकाश जी ने धन्यवाद दिया तथा कार्यशाला के आयोजन के अनुमोदन एवं मार्गदर्शन हेतु संस्थान के **प्रबंध निदेशक महोदय श्री विवेक शर्मा जी, आई.आर.एस.** को भी धन्यवाद दिया और अपेक्षा की शासकीय कार्य में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाए।

**आयोजकः- राजभाषा विभाग (एफडीडीआई)**